



## दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

---

एशिया-प्रशांत में एआई और बढ़ती  
असमानताएँ

---

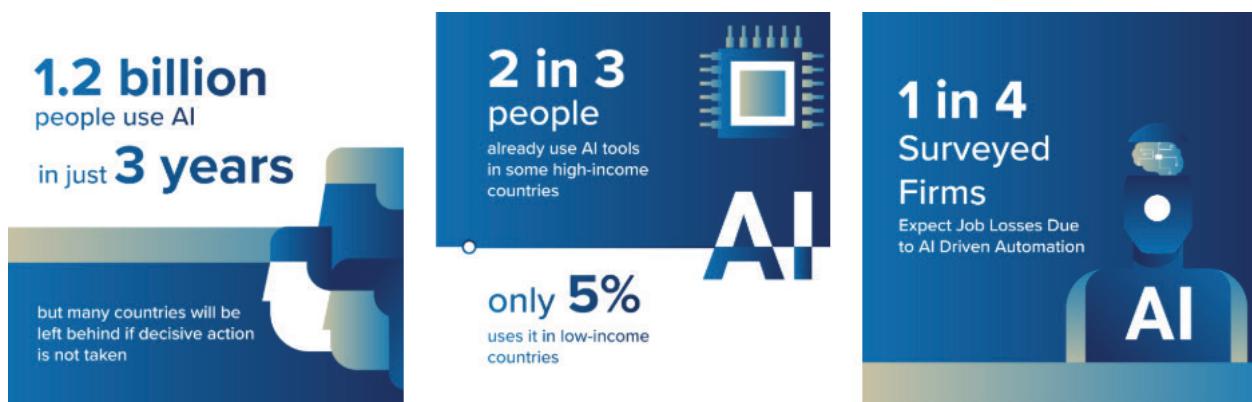
## एशिया-प्रशांत में एआई और बढ़ती असमानताएँ

### संदर्भ

- संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों को असमान प्रारंभिक बिंदुओं का सामना करना पड़ रहा है, जो डिजिटल और आर्थिक तैयारी में गंभीर असमानताओं को उजागर करता है।

### कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) अपनाना

- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) की नई प्रमुख रिपोर्ट के अनुसार, यह इतिहास में सबसे तीव्र तकनीकी अपनाने में से एक रहा है, जिसने केवल तीन वर्षों में 1.2 अरब उपयोगकर्ताओं तक पहुँच बनाई।
  - इनमें से लगभग 70% उपयोगकर्ता विकासशील देशों में हैं, लेकिन वैश्विक वितरण अत्यधिक असमान बना हुआ है।
  - उच्च-आय वाले देशों में दो-तिहाई लोग पहले से ही एआई उपकरणों का उपयोग करते हैं, जबकि कई निम्न-आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में उपयोग लगभग 5% के करीब है।



### एआई अपनाने में अंतर को समझना

- एआई आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दे सकता है, सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बना सकता है, अवसरों का विस्तार कर सकता है और लचीलापन सुदृढ़ कर सकता है।
  - लेकिन, यदि समावेशी अपनाना नहीं हुआ, तो यह असमानताओं को अधिक गंभीर कर सकता है, बहिष्कार को बढ़ा सकता है और शासन को कमजोर कर सकता है।
- वे देश जिनके पास कनेक्टिविटी, डिजिटल कौशल, कंप्यूटिंग क्षमता और विनियमन का सही मिश्रण है, वे एआई लाभांश का अधिकांश हिस्सा प्राप्त करेंगे।
  - इस बीच, अन्य देश रोजगार में व्यवधान, डेटा बहिष्कार, गलत जानकारी और यहां तक कि संसाधन दबाव का सामना करने का जोखिम उठाते हैं, क्योंकि एआई प्रणालियों की बढ़ती ऊर्जा और जल की मांग उन्हें पीछे छोड़ देती है।

### एशिया-प्रशांत में एआई अपनाना: वादा और खतरा

- एआई और लोग :
  - भूटान स्कूली शिक्षा को व्यक्तिगत बनाने के लिए एआई ट्यूटर का परीक्षण कर रहा है।
  - मंगोलिया की एआई-आधारित क्रेडिट स्कोरिंग ने लगभग 4,000 छोटे व्यवसायों को \$70 मिलियन के माइक्रो-लोन प्रदान किए हैं।
  - वियतनाम के डिजिटल खेती उपकरण 3.9 करोड़ किसानों तक वास्तविक समय कृषि डेटा पहुँचाते हैं।

- पूर्वोत्तर भारत की एआई बाढ़-पूर्वानुमान प्रणाली ने भविष्यवाणी की सटीकता को दोगुना कर दिया है, जिससे जीवन और संपत्ति बचाई जा रही है।
- हालाँकि, इन प्रगतियों के साथ-साथ लगातार असमानताएँ भी विद्यमान हैं, जैसे:
  - क्षेत्र में 1.6 अरब लोग स्वस्थ आहार वहन नहीं कर सकते।
  - 2.7 करोड़ युवा निरक्षर बने हुए हैं।
  - दक्षिण एशिया में महिलाएँ पुरुषों की तुलना में स्मार्टफोन रखने की 40% कम संभावना रखती हैं।
  - ग्रामीण और अल्पसंख्यक समूह एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने वाले डेटासेट में बड़े पैमाने पर अदृश्य बने रहते हैं।
- **एआई और अर्थव्यवस्था :**
  - यदि प्रभावी रूप से लागू किया जाए, तो एआई वैश्विक जीडीपी वृद्धि को प्रति वर्ष लगभग 2 प्रतिशत अंक तक बढ़ा सकता है और वित्त एवं स्वास्थ्य देखभाल जैसे प्रमुख क्षेत्रों में उत्पादकता को 5% तक बढ़ा सकता है।
  - उदाहरण के लिए, आसियान (ASEAN) अर्थव्यवस्थाएँ आगामी दशक में लगभग \$1 ट्रिलियन अतिरिक्त जीडीपी प्राप्त कर सकती हैं।
  - इन लाभों के साथ महत्वपूर्ण श्रम बाजार व्यवधान भी आते हैं, जैसे:
    - 75% कंपनियाँ रोजगार की हानि की संभावना करती हैं, भले ही नए एआई-संबंधित भूमिकाएँ उभर रही हों।
    - महिला श्रमिकों को पुरुषों की तुलना में स्वचालन जोखिमों का दोगुना सामना करना पड़ता है।
    - भारत में 88% और इंडोनेशिया में 60% रोजगार औपचारिक सुरक्षा से वंचित हैं, जिससे विस्थापन के प्रति संवेदनशीलता बढ़ जाती है।
- **एआई और शासन :**
  - बैंकोंक का ट्रैफ़िक फोर्ड्रू प्लेटफॉर्म ने 6 लाख नागरिक रिपोर्टों को कुशलतापूर्वक संसाधित किया है।
  - सिंगापुर का मोमेंट्स ऑफ़ लाइफ़ ऐप ने नए माता-पिता के कागजी कार्य को 120 मिनट से घटाकर केवल 15 मिनट कर दिया।
  - बीजिंग की डिजिटल ट्रूविन प्रणाली वास्तविक समय में शहरी विकास और बाढ़ जोखिम का अनुकरण करती है।
    - हालाँकि, नियामक ढाँचे तकनीकी प्रगति से पीछे हैं। केवल कुछ ही देशों के पास व्यापक एआई कानून हैं, और कई प्रणालियाँ अब भी अस्पष्ट ‘ब्लैक बॉक्स’ बनी हुई हैं।
    - 2027 तक, अनुमानित 40% वैश्विक एआई-संबंधित डेटा उल्लंघन जनरेटिव एआई के दुरुपयोग से उत्पन्न हो सकते हैं, जो तात्कालिक शासन चुनौतियों को उजागर करता है।
- **एआई तैयारी में अंतराल :** अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) द्वारा विकसित एआई तैयारी सूचकांक एशिया-प्रशांत में तैयारी में असमानताओं को उजागर करता है।
  - सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और चीन जैसी उन्नत अर्थव्यवस्थाएँ 70% से ऊपर अंक प्राप्त करती हैं, जो सुदृढ़ डिजिटल अवसंरचना, सशक्त नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और सक्रिय विनियमन को दर्शाती हैं।
  - इसके विपरीत, संवेदनशील और निम्न-आय वाले राज्य 20% से कम अंक प्राप्त करते हैं, जिनमें विश्वसनीय विद्युत, डेटा प्रणाली और कनेक्टिविटी की कमी होती है, जो उन्हें एआई क्रांति में पूरी तरह भाग लेने से रोकती है।

- ये क्षेत्रीय असमानतायें देशों के अंदर की असमानताओं से बढ़ जाती हैं, जहाँ आय और संपत्ति शीर्ष 10% के बीच केंद्रित रहती है, जिससे जनसंख्या के बड़े हिस्से तकनीकी प्रगति से बाहर रह जाते हैं।

### आगे का रास्ता: समावेशी एआई भविष्य का निर्माण

- **समावेशी एआई के लिए नींव बनाना :** संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट इस बिंदु पर बल देती है कि समावेशी एआई अपनाना कठोर और लचीली दोनों नींवों को सुदृढ़ करने पर निर्भर करता है।
  - कठोर नींवों में सुलभ और विश्वसनीय इंटरनेट पहुँच, स्वच्छ एवं स्थिर विद्युत, और शीतलन व कंप्यूटिंग संसाधन शामिल हैं।
  - नरम नींवों में शिक्षा और कौशल-विकास के माध्यम से मानव पूँजी विकास; डिजिटल परिवर्तन का मार्गदर्शन करने के लिए प्रभावी सार्वजनिक संस्थान; और निष्पक्षता, गोपनीयता एवं विश्वास सुनिश्चित करने के लिए सुदृढ़ कानूनी और नैतिक ढाँचे शामिल हैं।
- **यूएनडीपी की कार्रवाई की पुकार :** यूएनडीपी एआई अंतर को समाप्त करने के लिए तत्काल वैश्विक और राष्ट्रीय कार्रवाई का आग्रह करता है:
  - डिजिटल अवसंरचना और कनेक्टिविटी में निवेश करें;
  - एआई-संबंधित शिक्षा और कौशल को सुदृढ़ करें;
  - नैतिक और सुरक्षा विनियम विकसित करें;
  - सतत और ऊर्जा-कुशल कंप्यूट को बढ़ावा दें;
  - मानकों और ओपन-सोर्स एआई मॉडलों पर क्षेत्रीय और वैश्विक सहयोग को प्रोत्साहित करें।

### दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

**प्रश्न:** एशिया पैसिफिक क्षेत्र में AI को अपनाने में असमानता वर्तमान सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को किस सीमा तक बढ़ा सकती है, और कौन से पॉलिसी इंटरवेंशन ज्यादा बराबरी वाले परिणाम सुनिश्चित कर सकते हैं?

